

छतरपुर अनुमंडल के तीन निजी स्वास्थ्य संस्थानों पर प्रशासन ने की कार्रवाई

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दास्त नहीं : उपायुक्त

प्रभात मंत्र संवाददाता

छतरपुर : अनुमंडल क्षेत्र में निर्धारित मानकों के विरुद्ध संचालित तीन निजी स्वास्थ्य संस्थानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई हुई है। उपायुक्त-सह-पीसी एंड पीएनडीटी के अध्यक्ष शशि रंजन के निदेश पर छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार के नेतृत्व में स्वास्थ्य मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले स्वास्थ्य संस्थानों में छापेमारी की गई। छतरपुर के सईडीह रोड में संचालित तीन संस्थान वमां हॉस्पिटल, मां ललिता हॉस्पिटल एवं खुशी अस्ट्रुसाउड में छापेमारी में कई तथ्य उजागर हुए हैं। तीनों संस्थानों के संचालकों के विरुद्ध उपाधिकरण-सह-छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा शो-कांज किया गया है। इन्हें 48 घंटे के अंदर विस्तृत स्पष्टीकरण समर्पित करने का निदेश दिया गया है। स्पष्टीकरण असंतोजनक, अप्राप्त

रहने की स्थिति में कठोर कार्रवाई हेतु उच्चाधिकारियों को प्रतिवेदित किया जायेगा। छापे मारी-सह-ओचक निरीक्षण में अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार सहित छतरपुर में अंचल अधिकारी एवं उपाधिकरण-सह-छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी शामिल रहे। उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर पीसी एंड पीएनडीटी एकट के तहत प्रशासन की कार्रवाई जारी रहेगी। उपायुक्त ने कहा कि सलाह वारिसियों को समयबद्धता के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने



हदने की स्थिति में कठोर कार्रवाई हेतु उच्चाधिकारियों को प्रेरितवद्ध किया जायेगा। छात्रे भारी-सह-औचक निरीक्षण में अनुमूलन पदाधिकारी अशीष गंगवार सहित छत्रपुर में अशीष अधिकारी एवं उपाध्याक-सह-छत्रपुर अनुमूलन अस्थाल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी शामिल रहें। आयुक्त शशि रजन के निदेश पर पीसी एंड पीपलवडी एन्ट के तहत प्रशासन की कार्रवाई जारी रहेगी। आयुक्त ने कहा कि पलामू वशीषों की समयबद्धता के साथ बेहतर स्वास्थ सुविधाएं प्रदान करने

के दिशा में प्रशासन निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दास्त नहीं की जाये। जिले में बिना निबंधन एवं निबंधन वैद्यता समाप्त पाये जाने वाले हॉस्पिटल एवं अन्य संस्थानों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बिना वैध दस्तावेज तथा
रजिस्टर्ड डॉक्टर के संचालित हो
रहा था वर्मा हॉस्पिटल

वर्मा हॉस्पिटल के छप्रेमारी-
सह- अध्यक्ष निरीक्षण में कई बृटियाँ
पाई गईं। अस्पताल का निबंधन
वैद्यता समाप्त पंगती वहीं अयोग्य
व्यक्ति के द्वारा मरीजों का ऑपरेशन
किया जा रहा था। नौट्रिशन डॉ०
सुनिम वर्मा(दांत के डॉक्टर) का
द्वारा मरीजों का ऑपरेशन किया जा
रहा था। वहीं ऑपरेशन के पूर्व
मरीजों से लिए जाने वाले घोषणा
पत्र तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों
का संधारण लगभग न के बराबर
किया जा रहा था। इतना ही नहीं

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कोई भी रजिस्टर्ड डॉक्टर नहीं पाये गये। जांच से स्पष्ट हुआ कि अस्पताल का संचालन बिना वैध दस्तावेज तथा रजिस्टर्ड डॉक्टर के किया जा रहा है। साथ ही बिना योग्य डॉक्टर के मरीजों का ऑपरेशन करते हुए आवश्यक दस्तावेजों का संधारण भी नहीं किया जा रहा है।

माँ ललिता हॉस्पिटल में नहीं मिले अल्ट्रासाउण्ड से संबंधित चिकित्सक।
पदार्थकारियों द्वारा माँ ललिता हॉस्पिटल के औचक निरीक्षण के दौरान अस्पताल का निबंधन वैद्यता समाप्त पाई गयी। साथ ही भर्ती मरीजों से संबंधित दस्तावेजों का संधारण सही ढंग से नहीं किया जा रहा था। वहीं पीसी एंड पीएफ़-डेट्री एनए के तहत अल्ट्रासाउण्ड किये जाने वाले लाभार्थियों के दस्तावेजों का संधारण सही ढंग से नहीं किया

गया था। अल्ट्रासाउण्ड से संबंधित चिकित्सक भी मौके पर उपलब्ध नहीं पाये गये। निरीक्षण के दौरान पाये गये उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि अस्पताल का संचालन बिना वैध दस्तावेज का करते हुए आवश्यक दस्तावेजों का संधारण भी नहीं किया जा रहा है।

जांच केन्द्र बंद कर गायब
हो गये कर्मी

छतरपुर के सरईडीह रोड में ही स्थित खुशी अट्टरसा, उण्ड के औचक निरीक्षण करने पहुँचे पदाधिकारियों को दूर से आते देखे जांच केन्द्र के कर्मिण जल्दबाजी में केन्द्र बंद कर गायब हो गए। साथ ही दूरभाष पर वापस आने के लिए कहने के बावजूद भी वापस नहीं आए। निरीक्षण के क्रम में ऐसी जानकारी मिली है कि अट्टरसा उण्ड जांच केन्द्र का न तो निर्बंध है और न ही अजाति प्रास चिकित्सक द्वारा जांच की जाती है।

प्रभात मंत्र संवाददाता
केतार (गढवा) : प्रखंड

अंतर्गत ग्राम-पंचायत बलिगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र एवं दसमरी HB चौपाल के समीप सोनवार को ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति (VHSNC) के अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने कई लोगों को फाडलेरिया की दवा खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि फाडलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला संक्रामक रोग है। इससे बचने के लिए सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त में दवा दी जा रही है। जो 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाली फाडलेरिया मुक्ति अभियान में कार्यक्रम की सफलता के लिए स्वास्थ्य सहाय, आंगनबाड़ी सेविका घर-घर जाकर दो वर्ष के ऊपर के सभी लोगों को दवा की खुराक देंगे। दो से पांच वर्ष के बच्चों को डीडीसी एवं एम्बेडजेल की एक-एक गोली, छह से चौदह साल के किशोरों को



डीईसी की दो तथा एल्बेडाजोल की एक गोली तथा 15 साल के ऊपर के लोगों को डीईसी की तीन गोली एवं एल्बेडाजोल की एक गोली की खुराक दी जाएगी। वही उन्होंने ने कहा कि डीईसी की गोली खाली पेट नहीं खाना है एवं एल्बेडाजोल की गोली को चबाकर खाना है। दो साल के कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को दवा नहीं खिलाई जाएगी इसके अलावा जो गंभीर बिमारी से पीड़ित हैं उन्हें भी दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने

फाइलेरिया से बचाव के लिए सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग कराने एवं घर के आसपास साफ-सफाई रखने की आवश्यकता जताई है। साथ ही बताया कि घरों के इंद-गिंद गंदगी रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। जिससे कई प्रकार की संक्रामक विमारी फैलती है। मौके पर उपस्थित शिक्षक नरेंद्र सिंह रुपेश कुमार स्वस्थ संहिया मन्ता देवी संगीता देवी सेविका अनिता देवी संगीता देवी सहित अन्य कई लोग शामिल थे।

सूर्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर ध्वज हुआ स्थापित



राजबरिया सहित झारखंड व बिहार के दर्जनों धर्मराज भ्रमण कर यज्ञाचार्य धर्मराज पांडेय द्वारा विविध उच्च स्थापित किया गया। समिति के लोगो ने बताया कि महायज्ञ को लेकर आगामी 17 अप्रैल 2025 को भव्य जलयात्रा, 18 अप्रैल को पंचांग पूजन मंडप प्रवेश एवं यज्ञ प्रारंभ, 19 अप्रैल को पूजन पाद, 20 अप्रैल को नगर भ्रमण, 21 अप्रैल श्री भगवान भास्कर का प्रण प्रतिष्ठा, 22 अप्रैल 2025 को हवन

व महाभंडारा के साथ महायज्ञ की पूर्णहृति होगी। इस दौरान 17 अप्रैल से 21 अप्रैल 2025 तक अपराह्न 5:00 बजे से 8:00 बजे तक आए हुए विद्वानों द्वारा प्रवचन दी जाएगी। महायज्ञ संस्थित के लोगों ने सभी धर्मानुरागी सभी से महायज्ञ में शामिल होकर तन-मन-धन से सहयोग कर पुण्य की भागी बनने की अपील की है। नगर भ्रमण के दौरान विजय शाह, दिलीप साव, शिव प्रसाद शाह, रामाकांत यादव, बिगन प्रजापति, ललन मेहता, अजीत प्रजापति, परशुराम यादव, जितेंद्र सोनी, दीपू मेहता, बलराम यादव, किजल देव प्रजापति, श्री राम यादव, कबिलास प्रजापति, जयराम यादव, संतोष पुता, अमरेश शर्मा, धनंजय शर्मा, रामवेश यादव, सूर्यवंद यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

समता स्कूल में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

प्रभात मंत्र संवाददाता

हुनेबाबदे, पलीमाँ : शहर का
अमन चने मोहल्ला स्थित समता
स्कूल में विदाई सह सम्मान समारोह
का आयोजन किया गया। कार्यक्रम
का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक
अश्वय कुमार चौहान व उपस्थित
शिक्षकों ने माँ सरस्वती के तस्वीर के
समक्ष दीप प्रज्जलित कर किया।
कार्यक्रम में जूनियर क्लास की
छात्र-छात्राओं व विद्यालय परिवार ने
दसवीं के छात्र छात्राओं को विदाई
दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय
परिवार और विद्यार्थियों के द्वारा
दसवीं के छात्र छात्राओं को पेन कॉपी
खारी आदि देकर सम्मानित किया
गया। इस विदाई समारोह के दौरान
छात्राओं ने आकर्षक रंगारंग
छात्रावली प्रस्तुत किया। मौके पर
विद्यालय के निदेशक अश्वय कुमार
चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों को
बेहतर शैक्षिक तथा शिक्षण
क्रियाकलापों में हमारा विद्यालय
हमैनाबाद क्षेत्र में विगत कई वर्षों से



अग्रसर रहा है। बिद्यालय परिवार का प्रयास है कि बच्चों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। मौके पर उपस्थित विद्यालय के शिक्षक विनोद चौधरी, संतोष मिश्रा, किरण देवी, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, राहुल गुप्ता, राहुल कुमार

चौहान, प्रियंका देवी, दशरथ कुमार,
स्मिझिम देवी, प्रियंका देवी, सानिया
खातून, प्रियंका देवी, सुभाष कुमार
शकुंतला देवी, बबिता देवी, सारिका
कुमारी, रीना देवी, उम्म जहरा, मुकेश
कुमार, नंदू प्रजापति, अनूप पांडे एवं
परिचारिका विमला कुंवर एवं सैकड़ों
छात्राओं भी उपस्थित थे।

ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में दसवीं के बच्चों को दी गयी विदाई



प्रभाव मंत्र संवाददाता
शिश्रुपुष्प (पलामु) : उमेश सिंह एकेग्रंथाल एंड वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित बेलचंचा ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में वर्ग दशम के विद्यार्थियों को विदाई दी गयी इसके लिये सोमवार को स्कूल परिसर में आशीर्वाद सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक अमित कुमार सिंह बाबुल, प्राचार्य दीपक तिवारी व वरिय शिक्षक अजीत तिवारी ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती का पूजा करिचन के बाद दी प्रवृत्तिलत कर किया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उपहार भेंट किया गया। निदेशक बाबुल सिंह बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिये कई टिप्स दिया और उनके उत्कल भवियि का कामना किया। प्राचार्य दीपम तिवारी ने बच्चों को तनाव मुक्त होकर परीक्षा में शामिल होने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को परीक्षा में बेहतर करने के लिये काउंसलिंग का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मौके पर शिक्षिका आभा चौबे, खुशूण पांडेय, सुनेंद्र शर्मा, अब्दुल लतीफ सहित कई लोग मौजूद थि।

द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्धार में भी किया गया। निरक्षर बाबुल सिंह बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिये कई टिप्स दिया और उनके उत्तरों पर धन्यता की कामना की। प्राचार्य जीपल तिसारी ने बच्चों को तनाव मुक्त होकर परीक्षा में शामिल होने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को परीक्षा में बेहतर करने के लिये काउंसलिंग का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मौके पर शिक्षिका आभा चौबे, खुशबू पांडेय, सुरेंद्र शर्मा, अब्दुल लतीफ सहित कई लोग मौजूद थे।

रांची में झारखंड सेवा सम्मान 2025 से नवाजे गये पिता पुत्र शौकत और साजिद



प्रभात मंत्र संवादादाता
बंशीधर नगर : मानवात के क्षेत्र में हर पल सराहनीय योगदान देने वाले राष्ट्रीय तिग्रा सम्मान समारोह सह अनेक निशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान और संवादादाता साजिद खान ने लगातार दस वर्षों से हर तरंग तिग्रा कि अत्युच्च जगहपर और अनेक निशुल्क बैंक गरीबों के लिए खोलकर प्रतिदिन गरीबों के मदद किया। समाज सेवा के क्षेत्र में ये पति पुत्र कि जोड़ी को देश भर से लगातार सम्मान मिल रहा है।रांची में नौ फरवरी को यूफोरिया निशुल्क बैंक के मंच पर झारखंड सेवा सम्मान 2025 से बाय बेटा दोनो को एक साथ सम्मानित किया गया।शौकत खान और साजिद खान गरीब पर यूफोरिया के डायरेक्टर मारीया शहाब और हेर सौतेला गणमाया अतिथियों के बीच प्रशस्ति पत्र, मोमेंट के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।मंच से पति पुत्र के निस्थार्थ सेवा कायों कि सभी ने सराहना किया और बधाई दी। वहीं तिग्रा वाले शौकत खान ने हर्ष व्यक्त करवाे हुए कहा कि हमारा हमारे अनेक अरतों और सम्मान हमारे अनेक निशुल्क बैंक के चाहने वाले और निशुल्क बैंक के हर पल सहयोगी बनने वाले नागरिकों को सम्पापित है। उन्होंने कहा कि गरीबों की सभी के

एक साथ सम्मानित किया गया।शौकत खान और साजिद खान पत्र पर यूफोरिया के डायरेक्टिव मारीया शहाब और दूसरे सारे गणमाध्य अतिथियों के बीच प्रशस्ति पत्र, मोमेंट के साथ अथ वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।मंच से पिता पुत्र कि निरव्याह सेवा कार्यों कि सभी ने सहहना किया और बर्षाई दी। वहीं तिरंगे वाले शौकत खान ने हथ व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा एक एक अवसर और सम्मान हमारे अनेक निशुल्क बैंक के चाहने वाले और निशुल्क बैंक को हर पल सहयोग करने वाले नागरिकों को सम्पत्ति है। उन्होंने कहा कि गरीबों की सभी के

दुआओं का असर है, जो अब तक सैकड़ों अवाढ़ और सम्मान से हमने नज्वा जा चुका है। जिसमें से सबसे महत्वपूर्ण अवाढ़ कहें तो महानमि राज्यपाल महोदय के हाथों आइकॉन और झारखंड सम्मान, लॉयड इंटरनैशनल अवाढ़, कई नेपाल अवाढ़, झारखंड रत्न सम्मान, झारखंड गौरव सम्मान, झारखंड बिरसा मुंझ सम्मान, गढ़वा गौरव सम्मान, दिल्ली में मानवा स्वास्ती समिति परत पलामू प्रमर्दलिय डीआईजी सर, गढ़वा जिला प्रशासन के द्वारा गणतंत्र दिवस एल्म त्रिस्तवा दिवस पर कई बार सम्मानित किया गया है। उसके साथ गढ़वा जिला पुलिस प्रशासन एल्म गढ़वा सीआरपीएफ 172 बटलियन के द्वारा भी कई बार सम्मानित किये जा चुके हैं। बाक करे कोरोना का काले तो 50 से अधिक कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। शौकत खान और अब तक दो दर्जन से अधिक अवाढ़ और सम्मान को अपने नज्वा कारणों से छेड़ चुके हैं।

नगर आयुक्त, उ
प्रभात मंत्र संवादादाता
मेदिनीनगर : पर्यटन, कला,
संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य
विभाग के तत्वावधान में दो
दिवसीय राजकीय आदिवासी
विकास महाकुंभ मेला 11 फरवरी
2025 से शुरू होगी। मेदिनीनगर
सदर प्रखंड के दुर्बिधाखांड में
आयोजित मेले को प्रशासनिक
तैयारी पूरी कर ली गई है। आयुक्त
शशि रंजन तैयारी की हरपल
जनकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा है
कि राजकीय आदिवासी विकास
महाकुंभ मेला को ऐतिहासिक बनाने
को लेकर जिला प्रशासन वृद्ध
तैयारी की है। मेला का उद्घाटन
समारोह में अनुसूचित जनजाति
अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग
कल्याण (अल्पसंख्यक कल्याण
को छोड़कर) विभाग के माननीय
मंत्री चमरा लिंडा बतौर मुख्य
अतिथि शिरकत करेंगे। वहीं विशाल



पांकी विधायक कुशवाहा शशि
भूषण मेहता, डालटननगर विधायक
आलोक कुमार चौरसिया, विश्रामपुर
विधायक नरेश प्रसाद सिंह,
हसेनाबाद विधायक संजय कुमार

कारियों ने तैयारियों



सिंह यादव भाग लेंगे। मेला को भव्य स्वरूप प्रदान करने को लेकर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर अनमंडल पदाधिकारी सुलोचना

का लिया जायजा

मीना सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने आज मेला स्थल का निरीक्षण कर वहां चल रहे तैयारियों का जायजा लिया। पदाधिकारियों ने भव्य मेला आयोजन का निदेश दिया। मेला में जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों के 40 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से संबंधित विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जायेगा। साथ ही योजनाओं को लेकर जागरूक किया जायेगा। वहीं मेला में परिसरपतियों को वितरण के साथ-साथ गोदभर्राई, अन्न प्रासन्न आदि रसम पूरी की जायेगी। मेला के तैयारियों के निरीक्षण के दौरान जिला कल्याण-सह-जिला खेल पदाधिकारी सेवा राम साहू, मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह आदि सदस्य शामिल थे।

प्रमात मंत्र प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रेशमा खान द्वारा खबर-एक्सप्रेस प्रा० लि० ३ व ४ ओपोजिट मोरिस फूड कोकर इन्डस्ट्रियल एरिया, कोकर, रांची से मुद्रित कर कार्यालय प्रमात मंत्र राईन मार्केट पहला तल्ला, उर्दू लाइब्रेरी, मेन रोड रांची से प्रकाशित. संपादकीय कार्यालय-२बी दसरा तल्ला, अनवर अस्केड, विश्वकर्मा मंदिर लेन, मेन रोड, रांची। संपादक : रवींद्र कुमार उपाध्याय*। *पीअरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। मो० न० ७००४१२१७६, ०६५१३५७१९५

रांची (प्रभात मंत्र संवाददाता): द रांची प्रेस क्लब मीडिया क्रिकेट के चौथे दिन जेके क्रिकेट मैदान में दो टीम मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में अमानत ने गंगा को 70 रनों से हराया। इस मुकाबले में अमानत टीम से सुशील कुमार स्लिफेयर ऑफ द मैच चुने गए। दूसरे मुकाबले में दामोदर ने अजय की 45 रनों से पराजित किया। इस सत्र का पहला शतक जयने वाले दामोदर टीम के बासुदेव मिश्रा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने 103 रनों की नाबाद शानदार पारी खेली। पहले मुकाबले में अमानत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए (188/3) रन बनाए। अमानत के कप्तान ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजी में 65 रन और गेंदबाजी में 2 विकेट लिए। टीम के समीर सुजन ने ताबड़तोड़ 54 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करत हुए गंगा टीम (118/9) रन ही बना सकी। गंगा की ओर से रियाज ने सर्वाधिक 25 रन बनाए। अमानत की ओर से असगर ने 3 विकेट लिए दामोदर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दामोदर ने (188/2) रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से बासुदेव ने 57 गेंदों में 103 रन बनाए। श्रवण ने 38 रनों की पारी खेलें उनका साथ दिया। दूसरी पारी में अजय (143/7) ही बना सकी। अजय की ओर से अशोक गोप ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। दामोदर के श्रवण और राजेश ने 2-2 विकेट लिए।

आओ एक दीया जलाएं

आर्थिकी

आर्थिक

और विकास के गठजोड़ पर हिमाचल की सूरत सुधारने का एक बड़ा खाब 'हिमाचल-2045 संगोष्ठी (एमएसएआईपीए)' है। मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासनिक संस्थान (एमएसएआईपीए) के तत्वावधान में होने जा रही तीन दिवसीय संगोष्ठी में नीति दस्तावेज तैयार होगा। हिमाचल में थिंक टैंक की परिभाषा के प्रशासनिक स्वरूप को संवारने के लिए कुछ राष्ट्रीय हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि चर्चाओं के दौर में विकास का ग्रंथ लिखा जा सके। हिमाचल के ढ़रें को बदलने के लिए किसियायें तो मिल जाएंगी, मगर दरिया में तैर चुके लोगों को पतवार थमाएं तो जानें। यानी प्रदेश की हकीकत का वर्तमान, जिन लोगों की साझी विरासत है, उनसे भी पूछा जाए कि टापू कहाँ है। हिमाचल के भविष्य में पर्यावरण चेतना, एक लाजिमी चरित्र है, लेकिन हमारी वकालत की जमीन पर जंगल खड़ा है।

एक प्रदेश जिससे सतर फीसदी जमीन पर्यावरण के नाम पर छीन ली गई हो, उसके विकास, निजी निवेश, भविष्य के अधिकार, खेतीबाड़ी, बागबानी, उद्योग, बाजार, शहरी विकास, अंधोसंचरणा निर्माण और आवासीय सुविधाओं के लिए तीस फीसदी भूमि पर निर्वहन करना अति कठिन है। हिमाचल की भौगोलिक स्थिति का महज विकास से उत्थान नहीं होगा, यहाँ सामाजिक चरित्र और राजनीतिक परिदृश्य को बदलना पड़ेगा। हिमाचल ने विकास की चादर से पांव बाहर निकाले, तो कुछ ऐसा दांचा बन गया जिसे ढोना मुश्किल है। दूरअसल राष्ट्रीय नीतियों में पर्वत की पीड़ा नहीं दर्ज होती हुई। इस हिसाबे कि पर्वतीय विकास संभल रहा है, तो हर योजना का महत्त्व बढ़ जाता। मसलन पर्वतीय विकास के मार्गदर्श पत्र तरह मैदान से भिन्न और अलग लागान में अधिक है। इसलिए यहाँ अलग तकनीक, पर्यावरण मैत्री विकास तथा जनसमस्याओं के समाधान की अलग दृष्टि चाहिए। अगर शिमला की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु करने के लिए राखे पर्वतीय जमीन अब कहीं जाकर आकार ले रही है, तो इसी तरह की रूपरेखा में किनने हो। अन्य शहरों की कदमनाल कर सकते हैं। चायपेयों सरकार ने हिमाचल को औद्योगिक पैकेज देकर इस राज्य को फार्मा की रूपरेखा में सुसज्जित कर दिया, तो राष्ट्र को पर्वतीय राज्य के लिए सॉफ्ट प्रोफेशन, कर्नलटिविटी, पर्यावरण, जल एवं जलवायुविज्ञान के तहत चिह्नित करना होगा। हमारा विकास कंकरीटा का पहाड़ खोना होना पड़ेगा तो नहीं है, फिर भी हिमाचल को

खेल-साहसिक खेल, ट्राइबल, जैव विविधता, वन तथा जल राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। देश स्वीकार करे कि पानी, जलवायु, मौसम-पत्र और वनों के माफ़त हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्यों का राष्ट्रीय सम्मान होना चाहिए। बड़ी बांध परियोजनाओं के डूब क्षेत्र में उजड़े हिमालयी आज भी विस्थापन के मरस्थान से लड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हिमाचल की अपनी आर्थिक क्षमता नहीं है। देश भर के प्रवासि मजदूर, रेहड़ी-फट्टी, फेरीवाले तथा व्यापारी अगर यहां से कमाकर घर को पाल रहे हैं, तो हम ऐसे क्षमता के अनुरूप रोजगार की परवर्शि नहीं कर पाए। दूसरी ओर पहाड़ी के जिस स्रोत से बच्चों ने डिग्रियां प्राप्त कीं, उसे संवारने का रोजगार राज्य में पैदा नहीं हुआ। अगर आधा दर्जन आईटी पार्क स्थापित कर लिए हों, तो रोजगार के साथ-साथ हमारी शहरी आर्थिकों को चक चक लागू लगे। आज भी हिमाचल का शहरीकरण रोजगार पैदा कर रहा है। रिटेल मार्केटिंग, ऑनलाइन मार्केटिंग और पर्यटन मार्केटिंग से ही निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ रहा है। इसे मैं इन क्षेत्रों के साथ-साथ निजी निवेश को प्रेरित करना होना। हिमाचल के हर शहर के चारों ओर पर वन विभाग से बड़े-बड़े मैदानों के विकास की अनुपमति चाहिए।

कुछ

अलग

सरकार का स्टैंड

एक

एक सरकार होती है और एक सरकार का स्टैंड होता है। जब सरकार स्टैंड लेती है तो पब्लिक को पता चलता है कि वाकई ही सरकार नाम की कोई चीज है जिसने स्टैंड लिया है। अगर सरकार स्टैंड नहीं लेती तो पब्लिक को कंप्यूजन हो जाती है कि वाकई कोई सरकार है भी या नहीं या फिर सब कुछ रामभरोसे ही चल रहा है। लोकतन्त्र में सरकार का स्टैंड लेना बहुत जरूरी है। स्टैंड लेते रहने से सरकार की थकी हुई मांसपेशियों में रक्त का संचार थोड़ा तेज हो जाता है। सरकार दिखने लगती है। सरकार का दिखना बहुत महत्वपूर्ण है। और सरकार तब दिखती है जब वह स्टैंड लेती है। सरकार का स्टैंड लेना भी एक कला है। इसे साधारण लोग समझ नहीं सकते। स्टैंड कभी सड़कों पर पराजित जाता है, कभी संघर्ष में, तो कभी मीडिया में बयान देकर। कभी-कभी सरकार का स्टैंड इतना परिपक्व होता है कि विश्वभर भी श्रमिण हो जाता है कि इस स्टैंड का विश्व कैसे कैसा जाय। सरकार कहती है, 'हमने किसानों के लिए स्टैंड लिया', लेकिन किसान कहते हैं, 'यह स्टैंड हमारे खिलाफ क्यों लग रहा है?' सरकार के स्टैंड का गहराई से अध्ययन किया जाए तो पता चलता है कि वह फेविकल के जोड़ से भी मजबूत होता है। चाहे जनता लापरवाश कर ले, चाहे संसद उठ हो जाए, सरकार का स्टैंड चट्टान की तरह अडिग रहता है। सरकार का स्टैंड लेना सिर्फ एक निर्णय नहीं, बल्कि एक तरह का जादू है। यह जादू ऐसा है कि कभी-कभी जनता इसे समझने के लिए तनक-विकत में उलझ जाती है। सरकार महंगाई बढ़ा देती है, और कहती है, 'हमने देश के विकास के लिए स्टैंड लिया।' जनता यह समझने में उलझ जाती है कि विकास महंगाई के

जाना क्यों नहीं हो सकता ? सरकार के स्टैंड की तरह सरकार के भीतर बैठे नेता भी अपने-अपने स्टैंड रखते हैं। एक नेता कहता है, 'हम गरीबों के लिए काम कर रहे हैं', लेकिन गरीब सोचता है, 'यह काम हमें और गरीब बनाने का है या अमीरों को और अमीर बनाने का ?' दूसरे नेता कहते हैं, 'हम रोजगार ला रहे हैं', लेकिन युवाओं को सिर्फ वाला का रोजगार मिलता है। इन सबके बीच पब्लिक हमेशा यह देखती रहती है कि सरकार का आला स्टैंड क्या होगा। यह जानना पब्लिक के लिए उन्ना ही महत्वपूर्ण है, जितना सुबह उठकर यह जानना कि दूध वाला आया या नहीं। पब्लिक की समस्याएं महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी होती हैं, लेकिन सरकार का स्टैंड इन समस्याओं से इतर होता है। सरकार कहती है, 'हम डिजिटल इंडिया बना रहे हैं', जबकि पब्लिक कहती है, 'पहले गांव में बिजली तो लाओ।' सरकार का स्टैंड गिरिगिट की तरह रंग बदलने में माहिर होता है। जब विपक्ष सरकार को घेरता है, तो सरकार कहती है, 'हमने सही स्टैंड लिया है।' जब जनता विरोध करती है, तो सरकार अपने स्टैंड को 'जनहितकारी' बता देती है। स्टैंड के बिना सरकार की पहचान अधूरी रहती है। सरकार का स्टैंड का तकनीकी पक्ष भी है। जब सरकार कोई बिल पास करती है, तो वह इसे 'देश हित' का स्टैंड बताती है। जब यह बिल वापस लिया जाता है, तो इसे 'जन हित' का स्टैंड कहा जाता है। ऐसे में जनता समझ नहीं पाती कि असली स्टैंड क्या है। सरकार का स्टैंड लोना सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। लेकिन स्टैंड जनता के लिए हो या न हो, लोक जन सरकार के अस्तित्व के लिए जरूरी है।

सुरेश हिंदुस्तानी

अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिंसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है।

कहा

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अर्थात् केजरीवाल को आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही साधक को अनुभव कर सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का सुख नहीं बन सकता। दिल्ली के विधान सभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे प्रश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उसके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर अपने वाले नेता मनीष सिंसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराधी मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह स्थान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आकार यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातित समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अरुन्धी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला। दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिचलित होता है कि इस बार अरुन्धत केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर

आसान जिंदगी की चाहत और डिपोर्ट होना

बहुत

बहुत बे-आबरू होकर खिरे कूचे से
हम निकले...गालिब का इंस
शरीर से उन डिग्रीज के आदमी का कद
समझा जा सकता है जिन्हें अमरीका से भाग
वापस भेजा गया है। अमरीका से निर्वासित किए
गए 100 से ज्यादा भारतीय प्रवासियों को लेकर
अमरीकी सैन्य विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से
वापस भारत भेजा गया है। इनमें 104 भारतीय
शामिल हैं जिनमें 22 पुरुष, 19 महिलाएं और
13 बच्चे हैं। अमरीका में करीब 18 हजार प्रवासी
भारतीय अवैध रूप से रह रहे हैं। इन्हें भी वापस
भारत भेजा जाएगा। इंडी मार कर अमरीका तक
पहुंचे प्रवासी भारतीयों का काफी कुछ लुट गया।
इन्के लावाचों रूप बदल हो गए और अमरीका में
बसने के बजाय भी टूट गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
से फोन पर बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध
प्रवासियों का मुद्दा उठाया था। अमरीकी
राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को
रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर

बातचीत के दौरान अमरीका में रह रहे अवैध बातचीत आवासवासियों को लेकर चिंता जताई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि बिना दस्तावेज के अमरीका में रह रहे भारतीयों के संस्थानों में मंजी होगी, भारत वो कहना उड़ापा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत अवैध प्रवासना का समर्थन कतई न करता। अवैध प्रवासन का अवैध गतिविधियों से जुड़ा रहता है। ट्रंप हमारी अतिवृत्तियों के लिए ठीक नहीं है। जयशंकर ने कहा था कि अमरीका हमारा कोई नागरिक अमरीका में अवैध रूप से रहना हुआ पाया जाता है और उसका भारत के रहनेवाले होना पाया जाता है तो हम उसे कानून रूप से भारत वापस लाने की प्रक्रिया के तहत है। बोते कुछुदोंने से अमरीका दुनिया के देशों से आए और अमरीका में रह रहे अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई कर रहा है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सबक क

प्रवासवासी-नीति के मास्टरमाइंड स्टीफ़
मिलर। ट्रंप ने अपना दूसरा कार्यकाल जिसलिए
संभाला, उसी दिन उन्होंने जिन कार्यक
आदर्शों पर हस्ताक्षर किए, उन पर मिलर
हस्ताक्षर करने से मौजूद थे। इन आदर्शों में
जम्मिसड्ड नागरिकता को खत्म करना अ
दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय इमरजेंसी घोषि
करना। नीतिगण मामलों के डिप्टी डायरेक्
और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में
ने ट्रंप के आव्रजन एजेंडों को लागू करने
लिए कई कार्यकारी आदेशों का मसौदा तैय
करने को अगुवाई की। इसमें अवैध प्रवासियों
आने पर रोक और अमरीकी धरती पर पहले
मौजूद रहने वालों को प्रत्यर्पित करने का वा
किया गया है। इन आदेशों में से एक है वा
आधारित नागरिकता को खत्म करना। यह ए
संशोधन में गारंटी दिए गए ऐतिहासिक 14^थ
को नकारात और इन्हें कोर्टों में चुनौती भी दी

देश

दुनिया से

जनता क्यों वंचित है वनाधिकारों से?

हिमाचल

हिमाचल

प्रदेश में सरकारें वन अधिकार कानून 2006 को लागू करने के मामले में काफी दुविधा में रही हैं और जो कानून 2008 में अधिसूचित हो गया, उस लागू करने की प्रक्रिया 2012 में शुरू कर पाई। पहले तो सरकार यह कहती रही कि यह कानून हिमाचल में लागू ही नहीं होता। फिर कि सामाजिक संस्थाओं में इसके बारे में केंद्र सरकार से स्पष्टता के लिए आग्रह किया और वहां से निदेश प्राप्त करने के बाद सरकार कानून को लागू करने के लिए तैयार हुई, किन्तु केवल जनजातीय क्षेत्रों के लिए। फिर कानून से संबंधित अन्य परंपरागत वनवासी शब्द पर जानकारों के केंद्र सरकार से प्राप्त करने के हिमाचल सरकार से आग्रह किया गया कि पूरा हिमाचल अन्य परंपरागत वनवासी की श्रेणी में आता है और यहां के वासी अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर करते हैं। तब जाकर गर जनजातीय क्षेत्रों में भी सरकार ने कानून को लागू करने के काम शुरू करने की घोषणा की। किन्तु इसकी प्रक्रिया का पहला कदम, वन अधिकार समितियों का रायस् मुल स्तर पर गठन करके प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया। कुछ एक स्वयंसेवी संस्थाओं ने दावे भरने की जटिल प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों में वन अधिकार समितियों को सिखा कर काम आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया ताकि

यह प्रक्रिया प्रदर्शित करने और अन्य वन अधिकार समितियों तक सरकार को प्रशिक्षण कार्य आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके और जहाँ जरूरी हो वहाँ सहयोग भी दिया जा सके। किन्तु सरकार इस दिशा में कुछ भी करने से बचती रही, जैसे कि इस कानून को लागू करना स्वयंसेवी संस्थओं की ही जिम्मेदारी हो। इस कानून के तहत ब्रिटिशकालीन वन कानूनों द्वारा ऐतिहासिक शोषण की बात स्वीकार की गई और उसे दुरुस्त करने का प्रयास करने की बात कही गई। इस कानून के तहत वनों पर निर्भर जनजातियाँ और अन्य परंपरागत वनवासी समुदायों को मुख्यतः तीन तरह के अधिकार देने की बात कही गई। एक, जनवरी 2005 से पहले यदि कोई वनवासी वन भूमि पर अपनी आजीविका के लिए खेती कर रहा है, या आवास और पशुशाला बना कर वन भूमि का प्रयोग कर रहा है तो उस भूमि पर उसे प्रयोग का अधिकार देना। दूसरा, वन भूमि से जिन बरतनदारी अधिकारों का उपयोग अपनी आजीविका करतों के लिए कर रहा है, उनको कानूनी मान्यता देना। और तीसरा बरतनदारी वाले वनों में प्रबंधन में भूमिका देना। इसके अतिरिक्त स्थानीय जरूरतों के तहत कामों के लिए एक हेक्टेयर तक वन भूमि के उपयोग को बदलने की सहमति और संस्तुति देकर वन मंडलाधिकारी के स्तर पर ही वन भूमि के प्रयोग में बदलाव करवा लेना, ताकि स्थानीय विकास कार्यों के लिए वन संरक्षण अधिनियम 1980 की लंबी प्रक्रिया से बचा जा सके, जिसके अंतर्गत वनभूमि के उपयोग में बदलाव की स्वीकृति केन्द्र सरकार के स्तर पर एवं पर्यावरण मंत्रालय से लेनी पड़ती है जो बहुत ही कठिन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही संभव हो पाती है। इन्होंने जगहगत के लिए उपयोगी प्रावधानों

और हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश के लिए जन्मी प्रावधानों वाले कानून को लागू करने में सरकार लंबे समय तक निर्णरूप्रायः ही बनी रही। आज दिन तक कुछ दावे जन्मजाती श्रेय में ही स्वीकृत हो सके हैं और अन्य परंपरागत क्षेत्रों के मामूली दावों को ही स्वीकृति मिली है, जिनकी संख्या उन्मूलित है। गिनी जा सूची है, जबकि एक काम तो दो-डाह लाख परिवारों से संमिधत हैं। जो भी प्राप्ति हुई है, उसमें भी दावे बरवाने का काम स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया गया है। असल में इस कानून को लागू करवाने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सरकार इस जिम्मेदारी से बच सकती है? अगर नहीं तो सरकार को तत्काल इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य शुरू करना चाहिए। पूरे प्रदेश में इस काम को करने की सामर्थ्य सरकार के पास किसकी पाहि है नहीं हो सकती। इस काम को लिए दावे पत्र भर कर वन अधिकार समितियों के माध्यम से या उम्मीदल स्त्रीय समितियों के पास जायें, वहां से सफित होकर जाह ला स्त्रीय समिति के पास जायें, जहां दावों की सलत्ता की जांच करके उन्हें मंजूर किया जायें। दावे प्रचुर भरने की प्रक्रिया भी प्राप्ती तकनीकी है जो उचित परीक्षण के बिना संभव नहीं है। जब इस सारी प्रक्रिया और कानून के प्रावधानों का लोगों को कानों-कान पता ही नहीं हो तो कैसे उम्मीद की जा सकती है कि दावे

भरे जाएँ। इस कमी का फायदा उठा कर कुछ गृहणों पर पंचायत सचिवों से यह प्रमाणपत्र लेने के भी प्रयास किए गए हैं कि कोई भी दावा प्राप्त नहीं हुआ। जब तक बताया ही नहीं गया, तब तक दावे भरने का आसना था। इस तमाम खेलों से लगता है कि सरकारें इन कानून को डालमटोल से लटका कर निपटा देना चाहती हैं। इस पर जो सबके चिंता की बात हुई, वह है माननीय उच्च न्यायालय द्वारा

मामा अथैय कब्जों को सख्ती से बेदखल करने के आदेश। हैरानी को बात है कि ये आदेश वन अधिकार कानून पारस होने के पहले के कानूनों के अधिकार पर दिए गए हैं और प्रदेश सरकार वन वन अधिकार कानून की बात नक न्यायालय में नहीं रखी, जिसमें स्पष्ट प्रावधान है कि जब तक वन अधिकार कानून के दावों का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी अथैय कब्जाधारक को बात कर बेदखल नहीं किया जा सकता। हम हिमालय सरकार से यह आग्रह करते हैं कि माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष यह तथ्य रखे ताकि न्यायालय इस तथ्य का संज्ञा ले ले और पूरे प्रदेश में युद्ध स्तर पर दावे भरवाने का कार्य शुरू करे। यह हिमालय जैसे पर्वतीय राज्यों के लिए कितना जरूरी है, का यह शुरू करने से समझा जा सकता है कि यहाँ केवल 9-10 प्रतिशत ही कृषि भूमि है, जिस पर इतनी बड़ी आबादी का गुजर-बसर हो पाना संभव नहीं है। इसी कारण लोगों को मजबूर में कुछ वन भूमि पर अपनी निरभरा बनानी पड़ी है। वैसे भी प्रदेश में राज्य सरकार प्रावधान इसीलिए किया गया था कि बढ़ती आबादी और विकास की जरूरतों को लिए भूमि उपलब्धता की जा सके। हिमालय में पर्यावरण की दृष्टि से वनों का प्रबंधन करने की जरूरत है।

पेपर तो दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वही वादे वादा थे, जो उन्होंने स्व वर्ष पूर्व किया थे। उन्मत्त से कहें तो वही वादे अब तक पूरे नहीं हुए। जू सकें। सबके बाद वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, जब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाते लगे। उधर उनको जमानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फाइनल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतें तो तबना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वही दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक रूप के स्तर पर समाजसेवी इंसान हजारों से चुनाव में केजरीवाल से रुटे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सीधे निशाने पर जाकर लगा है। परिणाम के बारे में मतदान के बाद फिर एक सर्वेक्षण दिखाता को पुष्ट कर रहे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हो रहे हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर नहीं तथ्यो दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इसके ऐसा लगता है कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चुक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनका पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है। आम आदमी पार्टी के नेता सबेरे बाहर होने के बारे में यह भी कहा जा रहा आम आदमी पार्टी को दूसरी से कम उनके अपनी ने ही पराजित किया है। आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता इस बात से निराश थे कि आतिथी मालेना को मुख्यमंत्री क्यों बनाया। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अतः यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षी को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया।

आप का

नजरीया

अवैध प्रवासी 'आतंकी' नहीं

અમરીકા

अमरीका ने 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजा है। वायुसेना के विमान के बजाय सामान्य यात्री विमान से उठे-भेजा जा सकता था, क्योंकि सैन्य विमान का हमारी सरजमीं पर उतरना देश की संप्रभुता के खिलाफ है। भारत सरकार ने यह समझौता क्यों किया? अमरीका में अवैध भारतीयों के संख्या करीब 7 लाख बताई जाती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप का प्रशासन सभी को भारत वापस भेजना चाहेगा, तो पूरी कवायद में 10 साल लगेंगे। यह विषयोंओं का आकलन है। कानूनी औपचारिकताएं अलग हैं। अभी तक अमरीका में बिना वैध दस्तावेज वाले 20,407 भारतीयों को ही जस्टिन किया जा सका है। वे सभी अवैध प्रवासी हैं। वे अंतिम 'बेदखली आदेश' का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से 17,940 भारतीय ऐसे हैं, जो बाहर में घूम-फिर रहे हैं। हालांकि कड़्यों के पैरों में 'डिजिटल ट्रैकर' लगाए गए हैं, लिहाजा उनकी लोकेशन पर 'इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट' (आईसीडी) चौबीसों घंटे निगाह रखती है। उधर 2467 अवैध भारतीय प्रवासी 'हिरासत केंद्र' में कैद हैं। उनमें से ही 104 को भारत वापस भेजा गया है। ऐसे अवैध प्रवासियों को 2009 से ही वापस भेजा जा रहा है, लेकिन जिस तरह सैन्य विमान से हथकड़ी बांध कर और पांवों में बेडियां पहना कर उन भारतीयों को वापस लाया गया है, वह 'अमानवीय' कृत्य है और आतंकियों के साथ किए गए व्यवहार से अलग है। अवैध प्रवासियों को ननक देश वापस छोड़ कर आना अमरीका की सरकारी नीति है, लेकिन प्रवासियों को लाते हुए ऐसा पाशविक व्यवहार क्यों किया गया? आज आम भारतीय यह सवाल पूछ रहा है और भारत-अमरीका संबंधों की सच्चाई जानना चाहता है। भारत अमरीका का मित्र-देश है, सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, क्या ऐसे देश के मूल नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार करना उचित है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राज्यसभा में वक्तव्य देकर लीलापाती की कि अब तक 15,756 अवैध भारतीय प्रवासी भारत लौटे हैं। यशसिलसिला कॉर्पोरेशन नेतृत्व की यूएफए सरकार के दौरान भी जारी था और मौजूदा सरकार के कालखंड में भी लगातार हर साल ऐसे भारतीय लौटे हैं। क्या विदेश मंत्री का इतना आश्वासन ही पर्याप्त है कि भारत सरकार ट्रंप प्रशासन के लगातार संपर्क में है और आग्रह कर रहे हैं कि भारतीयों के संग ऐसा दुर्व्यवहार न हो। सवाल हथकड़ी-बेडियों वाले अमानवीय सलूक का है, जो हरेक आतंकवादी के साथ भी नहीं किया जाता। यदि कोलंबिया जैसे छोटे देश का राष्ट्रपति लाति आखें दिखा कर अमरीकी विमान के उतरने से सफाई कर सकता है, तो भारत जैसे समजुत और विराट देश क्यों नहीं कह सका कि हम अपना विमान भेजकर ऐसे भारतीयों को वापस ले आएं? इस 'आँख से आँख मिलाने वाली' नीति से ट्रंप-नीति का कहां नुकसान हो रहा था? विदेश मंत्री अमरीकी दुर्व्यवहार का खंडन नहीं कर पाए और न ही संसद में मिनट का पया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

उनके अधिवक्ता राजकुमार राजू ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर



जमानत के लिए अर्जी दी जाएगी।

गिरफ्तारी के बाद चरही गेस्टहाउस में रखे गए : रिवार की देर शाम गिरफ्तार कर उन्हें हजारीबाग की लोहसिंघना थाना प्रभारी संदीप कुमार की टीम लेकर गई। उन्हें रिवार की रात चरही गेस्टहाउस में रखा गया। इसके बाद आज उन्हें कोर्ट में पेशा किया गया। घटना के बाद 31 जनवरी को हजारीबाग व्यवहार न्यायालय ने अशोक कुमार की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने को लेकर लगातार प्रयास कर रही थी। इस मामले में हजारीबाग पुलिस पहले ही कोर्ट में पुलिस डायरी जमा कर चकी है।



अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह,
उपविकास आयुक्त इशितयाका
अहमद, अपर समाहर्ता संतोष सिंह
सहित कई वरीय पदाधिकारी ने
सभी गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक
दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी,
गस्ती दल पदाधिकारी, केन्द्राधीक्षक
एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ
बैठक की। बैठक में परीक्षा से जुड़े
सभी पदाधिकारियों के कर्मचारियों
को अपने दायित्वों का निर्वाहन निष्ठा
एवं सजगतापूर्वक करने का निर्देश

दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि परीक्षाओं का संचालन निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त संपन्न कराना सभी की जिम्मेवारी है। परीक्षा के सफल संचालन हेतु झारखंड परीक्षा संचालन अधिनियम, 2001 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय एवं समय प्रबंधन के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

बहरी : बहरी में पिछले रविवार रात्रि 9 बजे से सड़कों पर गाड़ियां रंगती हुईं नजर आईं। जाम रात्रि 9 बजे से शुरू हुई और सोमवार सुबह 10 बजे तक गाड़ियों रंगती हुईं नजर आईं। इस दौरान महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालु काफी परेशान दिखे, वापस करके महिना श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बता दें कि बहरी में इन दिनों लगातार जाम की समस्या से जन जीवन अस्त व्यस्त है। स्थानीय लोग भी इस जाम से हतबल हैं। इधर दिन हो या रात हर दिन जाम लगना आम सी हो गई है। जब जाम लगती है तो कई घंटे वाहनों को जाम में फसना पड़ता है। ऐसे में वाहनों की क्लिंक् कतार से यात्रियों को पानी, भोजन की काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जाम की स्थिति से निपटने के लिए रात से ही बहरी थाना के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आभास कुमार समेत पुलिस बल की टीम तत्परता से लगे रहे हैं। जानकारी हो की महाकुंभ को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग दो के माध्यम से उड़ीसा, बंगाल और झारखंड से बड़ी संख्या में हर दिन वाहनों का कतार प्रयागराज की ओर जा रहा है।



प्रयागराज से मौनी अमावस्या खान के बाद भी श्रद्धालुओं का दल लगातार प्रयागराज की ओर आग्रसर है। बता दें कि तीन राष्ट्रीय राज्य मार्गों का संगम स्थल बरही चौक है। इस चौक से छहों दिक्कत सहित भारी भरकम मालवाहक अंगनगत वाहनों का प्रतिदिन गुजरना होता है। लेकिन ट्रैफिक की व्यस्था नहीं होने के कारण बरही चौक पर गाड़ियाँ जैसे जैसे गुजरने लगती हैं, जिसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। लोगों का कहना है कि यदि बरही चौक पर ट्रैफिक की व्यवस्था की जाए तो जाम में कमी आएगी। लेकिन ट्रैफिक की व्यवस्था के प्रति ना ही शासन प्रशासन और ना ही स्थानीय नेताओं को चिन्ता है।

प्रभात मंत्र संवाददाता

हजारीबाग : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालतीया मार्ग के प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा को झारखंड के गुमती में आयोजित तृती दिवसीय प्रथमी प्रधानाचार्य सम्मेलन-2025 में विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा हजारीबाग विभाग के 'सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य' के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें उत्तरीय अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। हजारीबाग विभाग के अंतर्गत हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और गिरिडीह जिलों के 32 सरस्वती शिशु विद्या मंदिर अंतर्गत हैं। ऐसे में यह सम्मान विद्यालय के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। सम्मेलन से लौटने के बाद विद्यालय में संक्षिप्त समारोह का आयोजन किया गया, जहां प्रधानाचार्य को बधाईयां दी गईं। विद्यालय प्रबंधन समिति के



सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, जो इन दिनों दिल्ली में हैं, उन्होंने सचल दूरभाष से अपने संदेश में कहा लगन, परिश्रम, निष्ठा और समर्पित भाव से किया गया रचनात्मक कार्य समाज पर चमत्कारी प्रभाव डालता है। प्रधानाचार्य श्री संजीव कुमार झा के कार्य का सही मूल्यांकन हुआ है। अब उनकी जिम्मेदारी है कि वे मालवीय मार्ग विद्यालय परिवार को ठोस प्रुष्ठभूमि पर इस स्तर के मानकों को बनाए रखें। शिक्षा-सेवा के माध्यम से वे सर्वत्र प्रकाश आलोकित कर सकेंगे, ऐसी प्रतीक्षा और संभावनाएं उम हैं। प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा के नेतृत्व विद्यालय में कई रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जिससे स्कूल को नई दिशा और गति मिली है। इस सम्मान से विद्यालय परिवार, प्रबंधन समिति, भैया-बहन और अभिभावकों में अपार उत्साह है।

को बनाए रखें। शिक्षा-सेवा के माध्यम से वे सर्वत्र प्रकाश आलोकित कर सकेंगे, ऐसी प्रतिभा और संभावनाएँ उनमें हैं। प्रधानाचार्य सजीव कुमार झा के नेतृत्व में विद्यालय में कई रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जिससे स्कूल को नई दिशा और गति मिली है। इस सम्मान से विद्यालय परिवार, प्रबंधन समिति, भैया-बहन और अभिभावकों में अपार उत्साह है।

प्रभात मंत्र संवादादत्ता
बरही : बरही प्रखंड अंतर्गतगत
 केदारुत प्रपायत के राजकीय खेवने मे
 उक्रमित मध्य विश्वायन खेवने मे
 मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादवक
 द्वारा कक्षा पहला और दूसरा के 30
 बच्चों के बीच ड्रेस स्वेटर जूतुत
 मोजा वितरण किया गया। मुखिया
 प्रतिनिधि ने बच्चों तथा
 अधिभावकों को बीच बोले की यदुत
 झारखंड सरकारी की बहुत
 महात्वाकांक्षी योजना है। गरीब
 बच्चों के लिए पढ़ने के साथ-साथ

बच्चों को समय-समय पर ड्रेस पोशाक उपलब्ध कराती है। आप सभी अभिभावकों को जरूरत है। बच्चों को समय पर स्कूल भेजिए साफ सुथरा स्कूल भेजिए, ताकि बच्चे मन लगाकर पढ़ें। मैंने पर अशानाध्यापक तुलसी दास, अध्यापक प्रकाश सिंह, शिक्षक बहादुर राय, समाजसेवी भोला सिंह, शंभु सिंह, उमेश सिंह, विकी सिंह, उमरुखिया प्रतिनिधि दीपक साव, भाजपा नेता प्रदुमन सिंह लोखंडा सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

Latitude: 32.931197
 Longitude: -109.311294
 Elevation: 470.5313 m
 Acc. dist.: 7.6 m
 Time: 10-40-2020 11:08
 Note: Last GPS location

Powered by [here.com](https://www.here.com)

बड़कागांव (प्रभात मंत्र संवाददाता) : अधिसूचित वन क्षेत्र लुंणा के जंगल में अवैध रूप से संचालित कोयला खदान को बड़कागांव वन विभाग एवं उमीराओ ओपी पुलिस के सहयोग से जेसीबी मशीन लगाकर डोजरिंग कर बंद किया गया। कुल 7 अवैध कोयला खदान के मुहाने को बंद किया गया है। अवैध रूप से खदान चलाने वाले मालिक एवं कारोबार में सम्मिलित लोगों को चिन्हित कर वन विभाग के द्वारा मामला दर्ज किया गया है। ज्ञात होगी एक माह पूर्व वन विभाग ने इंदिरा, रुई, रावतपारा, अंबा झरना, तिलैया, असनाटांड, आदि कई जंगलों में संचालित अवैध कोयला खदान के मुहाने को बंद करने का काम किया था। डोजरिंग कार्य में बड़कागांव वनकर्मियों के अलावा उमीराओ थाना प्रभारी रामकुमार राम व अन्य पुलिसकर्मी लोग शामिल थे।

कटकमदग (प्रभत मंत्र संवाददाता) । थाना क्षेत्र के कुडिलबागी रेलवे और ब्रिज के रेलवे ट्रैक के पास सोमवार को पांच मवेशियों की मौत होने से कटकर हो गया, जबकि एक घायल मवेशी को ग्रामीणों ने बना लिया, बताया जाता है कि सभी मवेशी दुग्धार थे, मालवाहक ट्रेन बरकाकाना से कोडरमा की ओर जा रही थी, इसी बीच घास चर रहे मवेशी ट्रैन के हॉर्न सुनते ही इधर उधर दौड़ने लगे और पांच मवेशी चपेट में आ गये, जिनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी, इस बाबत कटकमदग थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि पांच मवेशी की मौत ट्रैन से कटकर हो गयी, मवेशी किसका था इसकी जांच पड़ताल चल रहा है, लोग मवेशियों को घर में बांधकर रखे,

कटकमसांडी (अज्ञात मंत्र संवाददाता) : प्रखंड में मैट्रिक परीक्षा को लेकर तीन परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा को लेकर कटकमसांडी नौडीओ में शान्तिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर चार डंडाधिकारी नियुक्त किया है। कटकमसांडी प्रखंड के आधा दर्जन स्कूल के परीक्षार्थी मिल कर कटकमसांडी प्लस टू हाई स्कूल, परियोजना गाँवस हाई स्कूल और मिडिल स्कूल में परीक्षा देंगे। कटकमसांडी प्लस टू हाई स्कूल के प्राचार्य विजय कुमार मरहठे ने कहा की परीक्षा को लेकर सारी तैयारी पूरी कर लो याह है।

बरही (प्रभात मंत्र संवाददाता) : बरही टाउन हॉल में आगामी 13 फरवरी को रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल ग्रहोने ने दिया। उन्होंने बताया कि बरही टाउन हॉल में दीनदयाल उपाध्याय महोदय कोशल विकास योजना के अंतर्गत प्रखंड स्तरीय युव मोबिलाइजेशन कैम्प का आयोजन किया जाना है। इस कैम्प में प्लस द्वारा प्रखंड के इच्छुक/ अर्हता वाले अभ्यर्थियों का चयन कर कोशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ आधार कार्ड का छाया प्रति, मोबाइल नंबर के साथ आयोजन में भाग लेंगे। वहीं सातवीं पास 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच महिला पुरुष भाग ले सकते हैं। रोजगार मेला दिन के 11 बजे से शुरू होगी।

प्रभात मंत्र संवाददाता

बड़कागांव : भाजपा संगठन महापर्व सदस्यता अभियान के तहत बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल की एक बैठक हरली पंचायत भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने किया। बैठक में ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव उपस्थित हुए। बैठक में मंडल अध्यक्ष एवं बृथ अध्यक्ष एवं समिति गठित करने के लिए मंडल के 11 न्यायिक की गई पर्यवेक्षक की नियुक्ति में एक है। जिसके तहत नयाटोंड पंचायत में देवती देवी,

हल्ली विजय यादव, बादम जागेक्षर
तुरी, गोंदलपूरा भागीरथ ठाकुर,
चोपदार बलिया केशन राणा, नापे
खुद महेंद महतो, तलशार पुनम
साहू, अंगों भोपाल स्वर्णकार,
उडीमरी अकाल मुंडा, पोटांग कार्तिक
ऊवं, गरसुता दिनेश करमाली को
नियुक्त किया गया है। मौके पर
उपस्थित अशोक साहू, पूर्व मंडल
अध्यक्ष विनोद महतो, राणा राणा,
नागेश्वर महतो, दामोदर महतो,
भागीरथ ठाकुर, रंजीत नावक,
दशरथ चौधरी, सुरज कुमार, विजय
यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष सहित
अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बड़कागांव (प्रभात मंत्र
सवाददाता) : पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के मीडिया प्रभारी ने प्रेस विज्ञापि जारी कर बताया कि अंबा प्रसाद द्वारा चुनाव पूर्व किए गए मेहनत एवं कार्यकाल के दौरान अनुसंधित दर्जनों योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है। विदित हो कि विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पूर्व कई योजनाओं का अंबा प्रसाद द्वारा

अनुशंसा एवं उसका डीपीआर तैयार करवा कर जिला में समर्पित करवाया गया था। लेकिन आचार संहिता लघु जाने के कारण कई योजनाओं की स्वीकृति नहीं हो पाई थी और अब सभी कार्य धीरे-धीरे धरातल पर उतरने लगे हैं। अभी लगभग 15 करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति मिली है जिसका निविदा भी जारी हो गया है। वही एजेंसियों द्वारा निविदा भी जारी कर दी गई है। इस संबंध में विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा प्रश्न विज्ञप्ति जारी करके सभी विकास योजनाओं की सूची उपलब्ध कराई गई है। इन योजनाओं का होगा निर्माण (बड़काग्राम प्रखंड) बड़काग्राम प्रखंड क्षेत्र के न्याटांड पंचायत के ग्राम पिपराडीह में बरगद पेड़ से शनिवार बाजार भाया पांडे सुहृद्व तक पीसीसी पथ निर्माण लगभग 72 लाख की लागत से, तलसवार पंचायत अंतर्गत टिकरी टांड में मेन रोड से टिकरी टांड भाया अर्जुन साव सुर्ग महेतो के पर तक एवं उमरौली तालाब तक पीसीसी पथ एवं गार्डवाल लघुग्राम लगभग एक करोड़ 15 लाख की लागत से, हल्ली पंचायत के मंदिर चौक से भुधुया टोली ताला पार नव प्राथमिक विद्यालय हल्ली तक दो स्पेन का पुल एवं गार्डवाल निर्माण लगभग एक करोड़ 40 लाख की लागत से विद्यालयों को सुदृढ़ करने का कार्य होना है। वही खराटी में उत्क्रमित मध्य विद्यालय की चार दिवारी निर्माण लगभग 80 लाख की लागत से, महुंदाई खुर्द में उत्क्रमित मध्य विद्यालय का उत्थन कार्य लगभग 78 लाख की लागत से कार्य किया जाएगा।



प्रभात मंत्र संवाददाता

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत बकसपुरा पंचायत रखवा में जेएलकेएम युवा नेता इंजीनियर मुकेश कुमार महतो,प्रखंड अध्यक्ष कोलेखर महतो ,उपअध्यक्ष सुरेश कुमार, मुखिया नन्हकू महतो ,पंचायत अध्यक्ष मुकेश कुमार तथा ग्रामीणों ने संयुक्त रूप विधिवतत पूजा अर्चना कर फीता काटकर 100 केजीए ट्रॉफ़ी तथा उद्घाटन किया गया। बताते चले ट्रॉफ़ी ट्रॉसफार्मर विगत एक सप्ताह से खराब था,जिसकी सूचना पाकर जेएलकेएम युवा नेता इंजीनियर मुकेश कुमार महतो ने तत्काल सज्ञान में लेकर संबंधित पदाधिकारियों से वार्ता कर ग्रामीणों को 100 केजीए का ट्रॉसफार्मर उपलब्ध कराने में अहम भूमिका अदा की। सोमवार को ट्रॉसफार्मर उद्घाटन के मौके पर ग्रामीणों ने



जेलकेरुम नेताओ को फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करत हुए इंजिनियर मुकेश कुमार महतो ने कहा कि ग्रामवासियों नहीं रहने के कारण ग्रामवासियों को विभिन्न बिजली संबंधित कार्य करने में काफी परेशानी हो रही थी ,बच्चों का लिखाई पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियां भी बाधित हो रही थी। अब न्यू ट्रांसफार्मर के लगने से

गांव में उजाला रहेगा और विभिन्न
पेशानियों से छूटकारा मिल जाएगा ।
साथ ही उन्होंने कहा कि यदि
ग्रामीणों को किसी प्रकार की
पेशानी होने पर हमें सूचित जरूर
करें। इस मौके पर मुख्य रूप से
उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो, पोखी
महतो, युगल महतो, अनूप महतो,
तालो महतो, सचिन कुमार, मुकेश
कुमार समेत कई महिलाएं एवं पुरुष
उपस्थित थे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

बरही: बरही थाणा क्षेत्र अंतर्गत टोल प्लाजा के समीप जीटी रोड पर एक अज्ञात कंटेनर ने बाइक को पीछे से टोकर मारी, बाइक पर सवार डेबो चक पंचायत के सराही गांव निवासी स्व सोहन साव के 60 वर्षीय पुत्र गिरजा साव की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना समीपवाक करीब 3 बजे की है। घटना की सूचना पर बरही थाणा एसआई शिवम गुप्ता समेत पुलिस बल पहुंचे और घटना का जांचना लिया। वहीं इसकी सूचना पर चौपाणन थाणा प्रभारी अनुपम प्रकाश भी घटना स्थल पर पहुंच चुके थे। खबर की सूचना पाकर डेबो पंचायत के मुखिया मोहन साव, बरही पूर्वी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि छोटेंन ठाकुर समेत गांव के परिचित लोग और आसपास के ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे, और सड़क को जाम कर दिया। वहीं इस घटना की खबर सुनते ही मृतक की पत्नी घटना स्थल पर पहुंची और दहाड़ मार-



मार कर रो पड़ी। घटना स्थल पर पीड़ित परिवार के लोग एम्बर के अधिकारियों को बुलाने की मांग पर आड़े रहे। वहीं पुलिस ने पीड़ित परिवार से कहा कि उक्त ट्रेलर का पता लगाया जा रहा है, टोल प्लाजा पर लगे सीसी टीवी फुटेज से उक्त वाहन की पहचान की जा रही है। जिसके बाद बरही पुलिस शव को कब्जे में लेते हुए बरही अनुमंडलीय अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर मिली जानकारी के अनुसार बाइक चालक

ने बताया कि मेरे गांव के भाई मेरे बाइक पर बैठे थे, वतने में पीछे से आ रही कटेनर ठोकर मार दिनी, जिससे पीछे बैठे सड़क पर विपत्ति दिशा में गिर गए और कटेनर ने उसे कुचलते हुए भाग गया। घटना स्थल पर बाइक चालक रोते हुए पुलिस से कटेनर को पकड़ने की बात कह रहे थे, कहा कि कटेनर सड़क जाम की वजह से ज्यादा दूर नहीं भाग सकती है, पुलिस उक्त घटना की टोल प्लाज के सीसी टीवी कैमरा खंगाल रहे हैं।

वार्षिक माध्यमिक एवं इंटर परीक्षा को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुआ स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन

➔ **माध्यमिक के लिए 53 एवं इंटर के लिए 40 केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षाएं**
➔ **माध्यमिक में 12669 एवं इंटरमीडिएट में 12300 अभ्यर्थी लेगे परीक्षा में हिस्सा**
➔ **पूरी पारदर्शिता एवं कदाचार मुक्त तरीके से कराए परीक्षाओं का आयोजन : उपायुक्त**

प्रभात मंत्र संवाददाता
रामगढ़ : 11 फरवरी 2025 से शुरू होने वाली वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त आयोजन के मद्देनजर सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में स्थिर, गश्ती दण्डाधिकारियों एवं थाना

स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों को उनके उनके केंद्रों पर परीक्षाओं का आयोजन पूरी पारदर्शिता के साथ एवं कदाचार मुक्त तरीके से करने का निर्देश दिया वहीं उपायुक्त ने स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों के लिए जारी दिशा निर्देशों से संबंधित पुस्तिका को सभी स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों को अच्छे तरह से पढ़ लेने एवं किसी भी प्रकार की कोई दुविधा होने पर त्वरित रूप से उन्हें दूर कर लेने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सभी स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों को परीक्षा के आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक के द्वारा परीक्षा के आयोजन को लेकर जारी दिशा



निर्देशों की जानकारी देने के क्रम में स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों की कई दुविधाओं को दूर किया गया वहीं

पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा के आयोजन को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी स्थिर एवं गश्ती

दण्डाधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी पतरातु, जिला शिक्षा पदाधिकारी, स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा रामगढ़ जिला संयोजक की हुई बैठक



रामगढ़(प्रभात मंत्र संवाददाता): झारखंड मुक्ति मोर्चा रामगढ़ जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में जिले के सभी प्रखंड/नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष/सचिव के साथ सभी प्रखंड/नगर परिषद के प्रभारियों की संयुक्त बैठक जिला कार्यालय रामगढ़ में समय 1०00 बजे अपराह्न से कि गई।इस बैठक की अध्यक्षता संयोजक प्रमुख बिनोद किस्कु एवं संचालन संयोजक सदस्य बिनोद कुमार महतो ने किया। बैठक में संयोजक प्रमुख बिनोद किस्कु ने साफ एवं स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि पार्टी एवं संगठन के हित में एक समर्पित कार्यकर्ता एवं सियाही की भांति सदस्यता अभियान में तेजी लाए ताकि निर्धारित तिथि तक हम अपने सदस्यता कार्यक्रम को पूर्ण कर सकें।बैठक में संयोजक मंडली के सदस्य भुवनेश्वर प्रसाद उर्फ भुवू महतो,चित्रगुप्त महतो, सोनाराम मांझी, राजकुमार महतो, विजय राम, साजिद आलम, गुलाम नबी, बरतू करमाली,गीता विश्वास, पंकी बेसरा,ऐतो बास्के,मुल्लोचर कोठारी,नरेश हांसदा, सुरेश चंद पटेल,विजय किस्क उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला कारा समिति की बैठक



रामगढ़(प्रभात मंत्र संवाददाता): सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला कारा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।जिला कारा समिति की बैठक के दौरान उपायुक्त चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के द्वारा उपकारा रामगढ़ में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान उपायुक्त ने उप कारा रामगढ़ में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों, स्वास्थ्य उपकरणों, लाइटिंग आदि के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को कारा का संचालन नियमानुसार सुनिश्चित करने एवं इससे संबंधित प्रतिवेदन समय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी जिला स्तरीय अधिकारियों पुलिस अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा जिला कार्यालय में सक्रिय सदस्यता सत्यापन कार्य हेतु बैठक सम्पन्न



प्रभात मंत्र संवाददाता
रामगढ़ : हाथगिरा स्थित भाजपा रामगढ़ जिला कार्यालय में आज जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता के अध्यक्षता में सक्रिय सदस्यता आवेदन पत्र का सत्यापन कार्य हेतु एक आवश्यक बैठक बुलाई गई। प्रदेश द्वारा अधिकृत जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता जांच एवं सत्यापन उप समिति के संयोजक प्रेम मित्तल एवं द्वय सदस्य प्रो संजय प्रसाद सिंह एवं प्रो. खिरोधर साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। मंडल अध्यक्ष की उपस्थिति में सक्रिय सदस्यता का सत्यापन का कार्य प्रदेश द्वारा निर्देशित करणीय कार्य के अंतर्गत किया गया। सत्यापन कार्य समिति द्वारा सत्यापन आवेदन पत्र का सत्यापन कर अनुमोदित के लिए प्रदेश में जमा कराया गया। जिला सदस्यता संयोजक राजेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि सदस्यता महापर्व के प्रथम चरण में प्राथमिक सदस्य अभियान को 22 दिसम्बर से

10 फरवरी 2025 तक गति दी गई। वहीं दूसरे चरण में सक्रिय सदस्यता अभियान जो 12 जनवरी 2025 से प्रारम्भ हुआ और आज सत्यापन कार्य सम्पन्न होने के साथ ही आगे के संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया का कार्य शुरू होगा। प्रारंभिक करणीय कार्य में युथ अध्यक्ष,शक्ति केन्द्र संयोजक, सहसंयोजक,मंडल अध्यक्ष का चयन कर लिया जाएगा। बैठक में जिला सदस्यता अभियान संयोजक राजू

कुशवाहा, सहसंयोजक विजय जायसवाल एवं सहसंयोजक विजय जायसवाल एवं जिला मंत्री संजीव कुमार बबला जिला कार्यालय मंत्री विनोद प्रसाद, मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव मनोज गिरि, गणेश प्रसाद स्वर्णकार, अशोक कुमार, नरेश साव,ऋषिकेश सिंह , कुणाल दास, मिथिलेश मण्डल सहित मंडल अध्यक्ष मंडल सदस्यता संयोजक सहित सह संयोजक गण थे ।

अवैध कोयला खदान को ग्रामीणों एवं फोरेस्ट विभाग व पुलिस ने मिलकर बंद कराया



प्रभात मंत्र संवाददाता
उरीमारी : बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी ओपी क्षेत्र के गरसुछ्छ पंचायत के सुदुरवर्ती क्षेत्र लुरुंगा में सोमवार को बड़कागांव फोरेस्ट विभाग की ओर से ग्रामीणों एवं उरीमारी ओपी के द्वारा अवैध कोयला खनन पर अंकुश लगाने के लिए अवैध खान के मुहाना को डोजरिंग कर बंद कराया गया। वहीं उरीमारी ओपी प्रभारी रामकुमार राम ने कहा कि कोयला तस्क़र लुरुंगा के जंगल व पहाड़ों में कई

सुरंग बनवा रखी थी। जिसके मुहानों को डोजरिंग कराकर बंद कराया गया है। वहीं ओपी प्रभारी रामकुमार राम ने यह भी कहा कि किसी भी सुरत में उरीमारी ओपी क्षेत्र में अवैध कारोबार फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा। लुरुंगा के जंगलों से आच्छादित इस क्षेत्र में अवैध खान के मुहाना को सुरक्षित मानकर सालों भर कोयला निकासी कराते हैं और ट्रकों पर लदवाकर स्थानीय मंडी ले जाकर बेचते हैं।

त्व्रित रूप से उसे अच्छी तरह बंद कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक सुनिश्चित करने एवं अवैध मुहानों की अच्छी तरह से डोजरिंग करने को लेकर उपायुक्त ने सभी संबंधित परियोजनाओं के महाप्रबंधकों एवं एरिया सिक्वोरिटी ऑफ़ीसर्स को कार्यों पर विशेष ध्यान देने एवं अवैध मुहानों से किसी भी तरह का कोई भी खनन कार्य न होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी को योजनाबद्ध तरीके से रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न रेलवे साईडिंग का निरीक्षण कर नियम अनुसार खनिजों का परिवहन सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अधिकारियों को जिले के अलग-अलग क्षेत्र में संचालित क़ेशर की जांच करने एवं बिना अनुमति अथवा अवैध तरीके से क़ेशर का संचालन करने वालों के विरुद्ध प्रार्थमिकी दर्ज करने एवं तत्काल रूप से अवैध क़ेशरों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया।

मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अंतर्गत फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

➔ **अभियान के तहत जिले में 1082581 लोगों को खिलाई जाएगी फाइलेरिया रोधी दवाएं**
➔ **जागरूकता वाहन को उपायुक्त ने किया रवाना**

प्रभात मंत्र संवाददाता
रामगढ़ : मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अंतर्गत फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने शुभारंभ सदर अस्पताल रामगढ़ से किया।मौके पर उपायुक्त चंदन कुमार ने सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ फाइलेरिया रोधी दवाइयां खाकर अभियान का शुभारंभ किया।मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद द्वारा उपायुक्त को 10 फरवरी 2024 से 25 फरवरी 2024 तक रामगढ़



जिले में शत प्रतिशत लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाइयां खिलाने हेतु तैयार माइक्रो प्लान आदि की जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त ने सिविल सर्जन सहित अन्य सभी अधिकारियों, चिकित्सकों आदि को लोगों को अपने सामने ही फाइलेरिया रोधी दवाइयां खिलाना सुनिश्चित

करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने रोग से जुड़ी विभिन्न ध्रांतियों को दूर करने का भी कार्य किया। वहीं लोगों को फाइलेरिया रोग एवं इससे बचाव के प्रति जागरूक करने हेतु जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी

एल्बेन्डाजोल दवाइयों के सेवन से फाइलेरिया जैसी बीमारी का बचाव एवं रोकथाम सम्भव है।कार्यक्रम में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डॉ0 स्वराज, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ0 तुलिका रानी, जिला आर0सी0एच0 पदाधिकारी डॉ0 एहतेशामुद्दीन, उपाधीक्षक डॉ ठाकुर मृत्युन्जय, डॉ नितेश कुमार चिकित्सक, डॉ पल्लवी कोशल, बिजय कुमार छक्खू रशमी आनंद छक्खू जिला भी0बी0डी0 सलाहकार सजना कुमारी, रवि कांत रवि लिपिक, रितेश कुमार एवं राजन कुमार ठाकुर Programme Officer Primal, विमल केशरी DPMU Coordinator, मो0 मिन्हाज अंसारी MPW cum पीरामल फाउंडेशन की टीम व सदर अस्पताल के सभी कर्मी उपस्थित हुए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

प्रभात मंत्र संवाददाता

रामगढ़ : सोमवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ अजय कुमार की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की।बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्य की समीक्षा की गई समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने चड्डापलू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए। वर्तमान में घाटी में लगाई गई लाइटों के नियमित रूप से कार्य करने की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने हर हाल में घाटी में लगाई गई लाइटों का नियमित रूप से कार्य करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया साथ ही उन्होंने घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोकने हेतु साइन बोर्ड कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा वाहन जांच अभियान, जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, ब्लैक स्पॉट चिह्नितकरण आदि को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए।बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलने व अवैध परिवहन पर लगा



लगाने हेतु समय-समय पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिए । बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से जिले के सभी क्षेत्रों में सभी थाना प्रभारी को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। ताकि लोगों में जागरूकता फैल और वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करें जिससे हो रही दुर्घटनाओं को काम किया जा सके। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों/ अधिकारियों, एनएचआई के अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं सहित अन्य उपस्थित थे।

सेन्हा-लोहरदवा (प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड क्षेत्र में फाइलेरिया रोगी एमडीटी की दवा खिलाई गई। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत विभिन्न जगहों के 116 केंद्रों में फाइलेरिया रोगी एमडीटी की दवा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कांग्रेस जिला अध्यक्ष सूखैर भागत, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीत आनंद के अलावे एएनएम और स्वास्थ्य सहाया तथा आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा फाइलेरिया रोगी खिला कर दवा खिलाने के शुभारंभ किया गया। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीत आनंद ने बताया कि एमडीए कार्यक्रम के तहत 25 फरवरी तक 02 वर्ष से ऊपर उम्र के लोगों को दवा खिलाई जायेगी। सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के 116 बूथों में दवा खिलाई जा रही है। तथा 11 फरवरी से 25 फरवरी तक डोर टू डोर एएनएम, स्वास्थ्य सहाया और आंगनबाड़ी सेविकाओं तथा स्वास्थ्य वोलंटियर्स द्वारा दवा खिलाई जायेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा के अंगठत 88 गाँवों में 92,250 लोगों को दवा खिलाई जाएगी। साथ ही बताया कि गर्भवती महिला, अफिम अके व्यक्तियों और बीमार व्यक्तियों को छोड़ कर सभी लोगों दवा नहीं खिलाना है। वहीं सभी लोगों से फाइलेरिया का उपयोग अवश्य करने के लिये अपील किया गया। बयों कि अपने पैर को हाथी पांव नहीं बनाने के लिये फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए दवा का सेवन बहुत जरूरी है। यह रोग मच्छर के काटने से होता है जो एक संक्रमित बीमारी है। जिसका लक्षण काफी समय बितनी के बाद दिखाई देता है। फाइलेरिया बीमारी पैर फूलने व हाईड्रोथेली से भी हो सकती है। जिससे सभी को बचाव करना बहुत ही आवश्यक है। मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सूखैर भागत, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीत आनंद, विकास कुमार, महेश कुजूर, देवेंद्र गिरी, सीधुचंद ओ प्रियंका कुजूर, स्वास्थ्य सहाया शकुंतला देवी, सेविका मालती देवी अन्य मौजूद रहे।

फाइलेरिया से प्रभावित व्यक्ति को जब एक मच्छर काटता है तो वह मच्छर फाइलेरिया का वाहक बन जाता है। जब फाइरिया का वाहक खाता है तो वह उस कीटाणु के प्रभाव को खत्म कर देता है। वहीं दूसरी ओर अगर कोई व्यक्ति एक बार फाइलेरिया से ग्रस्त हो जाता है तो कोई सर्जरी भी उसे पहले जैसा नहीं बना पाती। बीमारी के बाद इसका इलाज संभव नहीं है। सरकार विदेशी एमडीए की दवा निःशुल्क बियरिंग की जा रही है। तोहरदवा जिला में अभी भी फाइलेरिया के मरीज हैं। जो व्यक्ति अभी फाइलेरिया से ग्रस्त नहीं है उनमें से गर्भवती महिला, दो वर्ष की उम्र से कम बच्चों और अत्यंत गंभीर रूप बीमारी लोगों को छोड़कर सभी को एमडीए की खुवावा लेनी चाहिए। लेकिन आनेवाला पीढ़ी इसकी चपेट में नहीं आए इसके

